संख्या-370/2022/1400/001-41-2022-76-Budget-2019

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ, दिनांक 21 जून, 2022**

विषय: जनपद सोनभद्र में वे फाइण्डिंग तथा ट्रैफिक सल्यूशन की स्थापना हेतु धनराशि की स्वीकृति किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं0-1070/6-1-1/(1033)/2018-2019, दिनांक 19 मई, 2022 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. जनपद सोनभद्र में वे फाइण्डिंग तथा ट्रैफिक सल्यूशन की स्थापना आदि कराये जाने हेतु उ0प्र0 प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लि0 को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए प्रायोजना हेतु प्रशासकीय एवं अब तक अवमुक्त की गयी वित्तीय स्वीकृति की धनराशि का विवरण निम्नवत् है:-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0	वित्तीय वर्ष	शासनादेश संख्या व दिनांक	प्रशासकीय स्वीकृति	अवमुक्त धनराशि
1	2018-19	संख्या-111/2019/952/41-2019-76(बजट)/2019 दिनांक 09.03.2019	281.37	30.00
2	2020-21	संख्या-305/2020/4349/41-2020-76(बजट)/2019 दिनांक 19.12.2020	281.37 + जी0एस0टी0 (वास्तविक भुगतान के आधार पर) की संशोधित प्रशासकीय स्वीकृति	56.27
3	2021-22	संख्या-55/2022/2375/41-2021-76(बजट)/2019, दिनांक 21 फरवरी, 2022	--	10.00

3. उक्त के अतिरिक्त शासनादेश संख्या-192/2022/768/41-2022-76(बजट)/2019, दिनांक 30 मार्च, 2022 द्वारा चतुर्थ किश्त के रूप में धनराशि रू0 10.00 लाख की धनराशि स्वीकृत की गयी , परन्तु बजट उपलब्ध न होने के कारण धनराशि का आवंटन न हो सका।

4. महानिदेशक, पर्यटन के प्रस्ताव के क्रम में प्रश्नगत परियोजना हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से रू0 167.00 लाख की धनराशि की व्यवस्था शासनादेश संख्या-230/2021/आई/152376/41-1002 (001)/33/2021-71(बजट)/2019, दिनांक 31 मार्च, 2022 द्वारा मद संख्या-0603-साइनेज की व्यवस्था में करने के उपरान्त शासनादेश संख्या-241/2022/779/41-2022-76 (बजट)/2019, दिनांक31.03.2022 द्वारा पूर्व में

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

निर्गत शासनादेश संख्या-192/2022/768/41-2022-76(बजट)/2019, दिनांक 30 मार्च, 2022 को निरस्त करते हुए निम्नलिखित परियोजनाओं हेतु निम्नवत् विवरण के अनुसार धनराशि अवमुक्त किया गया:-

क्रमांक	योजना का नाम	वित्तीय स्वीकृति (धनराशि रू लाख में)
1	जनपद मिर्जापुर के विन्ध्याचल में वे- फाइण्डिंग तथा ट्रैफिक सल्यूशन की स्थापना कार्य हेतु	27.00 लाख
2	जनपद सोनभ्रद में वे- फाइण्डिंग तथा ट्रैफिक सल्यूशन की स्थापना आदि कराये जाने की योजना हेतु	140.00 लाख

5. उक्त के क्रम में पर्यटन निदेशालय के पत्र संख्या-197, दिनांक 11.04.2022 के साथ संलग्न आहरण वितरण अधिकारी/उप निदेशक, पर्यटन मु0 के पत्र संख्या-144/3-8-0(आ0वि0अनु0)/2022, दिनांक 08.04.2022 द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में केन्द्रीय/राज्य/जिला योजनान्तर्गत निर्गत शासनादेशों के सापेक्ष धनराशि आहरित न होने वाली परियोजनाओं की सूची शासन को उपलब्ध करायी गयी है, जिसमें प्रश्नगत परियोजनाएं भी सम्मिलित हैं।

6. उक्त के क्रम में पूर्व में निर्गत शासनादेश संख्या-241/2022/779/41-2022-76 (बजट)/2019, दिनांक31.03.2022 को निरस्त करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद सोनभ्रद में वे-फाइण्डिंग तथा ट्रैफिक सल्यूशन की स्थापना हेतु रू0 100.00 लाख (रूपये एक करोड़ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अनुसार श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं :-

(1) प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि प्रश्नगत परियोजना हेतु पर्यटन अनुभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा पूर्व निर्गत शासनादेशों में अंकित शर्तों व प्रतिबन्धों का अनुपालन पूर्णतया करा लिया गया है।

(2) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक), उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या 15/2021/बी-1-829/दस-2021-231/2022, दिनांक 30.12.2021, कार्यालय ज्ञाप संख्या: 5/2022/बी-1-224/दस-2022-231/2022 दिनांक- 29 मार्च 2022 तथा वित्त (आय - व्ययक) अनुभाग - 1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या - 13 / 2022/ बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक- 07-जून 2022 में निहित शर्तों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा।

(3) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(4) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी तथा कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त धनराशि का 75 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त अगले दो माह के लिए पुन: आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जायेगी। इसका अनुपालन महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(5) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि निर्माण कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया किया गया है तथा परियोजना

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पत्ति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(6) परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों तथा बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 (**VII**) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(7) परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(8) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(9) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन पर्यटन निदेशालय एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(10) प्रायोजना में चौथी किश्त की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर प्रदान की जा रही है। यदि परियोजना के मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्थाएवं पर्यटन निदेशालय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स प्रतिहस्ताक्षरित कराते हुये (तिथि सहित) सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

(11) महानिदेशक पर्यटन द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यदायी संस्था से सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त किये जायेंगे।

7- इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 1,00,00,000 (रुपये एक करोड़ मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 044 लेखा शीर्षक 5452801040603 साइनेस की व्यवस्था मानक मद 24 वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

8- यह आदेश वित्त (आय - व्ययक) अनुभाग - 1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या - 13 / 2022/ बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक- 07-जून 2022 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

<u>संख्या एवं दिनांक तदैव</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- जिलाधिकारी, सोनभद्र ।
4- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन लखनऊ।
5- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ।
6- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7, उ0प्र0 शासन।
7- सम्बन्धित उप निदेशक,पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
8- संयुक्त निदेशक, पर्यटन, वाराणसी एवं विन्ध्याचल मण्डल, वाराणसी।
9- प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 लखनऊ।
10- परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0, यूनिट-16, मिर्जापुर।
11- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग।
12- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।